श्री बची सिंह रावत: माननीय सभापति जी, अभी इस दिशा में विचार नहीं हुआ है क्योंकि यह World Space Corporation की सैटेलाइट सेवा है, विश्व भर में एकमात्र इन्हीं के द्वारा यह सेवा प्रदान की जा रही है और इनके साथ हमारा जो अनुबंध है, इसमें पहले हमें जो व्यय करना पड़ता था, 30 लाख रुपए प्रति वर्ष हम व्यय कर रहे थे और अब यह व्यय घट कर 9 लाख रुपए प्रतिवर्ष में आ गया है।

SHRI B.J. PANDA: Sir, I commend the Meteorological Department for this laudable initiative. Apart from benefit to seafarers and farmers, it has a tremendous use for the general population of the States, like Orissa, which are prone to natural calamities, like cyclone and other such things. Money is being spent inefficiently on ham radios and terrestrial radios. I would like to know from the hon. Minister whether he would agree to give such sets, like he is giving to farmers, to the school-cum-cyclone shelters at places like Orissa for meteorological warning.

श्री बची सिंह रावत: माननीय सभापति जी, अभी एक योजना शुरू की गई थी जो ''यू-प्रोब'' के नाम से है और उसमें देश भर के लिए दस हजार विद्यालयों तक अपनी पहुंच बने, ऐसा एक प्रयास शुरू हुआ है और इस संबंध में जो निशुल्क रिसीवर सेट प्रोवाइड करने का विषय है, इस पर विचार किया जा सकता है।

राजस्थान में रेल परियोजनाएं

***84. डा० प्रभा ठाकुर:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में चल रही नई रेल परियोजनाओं और किये गये सर्वेक्षणों का ब्यौरा क्या है तथा इन परियोजनाओं को पूरा करने के संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है;

(ख) आवंटित निधियों का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है तथा इन परियोजनाओं पर कितनी राशि व्यय की जा चुकी है;

(ग) क्या राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं को पूरा करने हेतु विशेष पैकेज के लिए केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) राजस्थान में चल रही नई रेल परियोजनाओं और उनके लिए निधियों के आबंटन, किया गया खर्च और हुई प्रगति का ब्यौरा इस प्रकार है:

(करोड़ रुपए में)

क्रम सं॰	परियोजना का नाम	प्रत्याशित लागत	मार्च 2003 तक किया गया अनुमानित खर्च	2003-04 के दौरान आबंटित निधि	स्थिति
	नई लाइनें				
1.	दौसा-गंगापुर सिटी	208.83	15.3	10.00	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण पूरा हो गया है। पूरे खंड के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी कागज़ात राज्य सरकार के सौंप दिये गये हैं। भूमि अधिग्रहण के लिए राज्य सरकार को पास 5.70 करोड़ रुपये जमा करा दिये गये हैं. भूमि उपलब्ध होते ही कार्य शुरू कर दिये जाएंगे।
2.	अजमेर-पुष्कर	67.00	10.00	5.00	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण पूरा हो गया है। भूमि अधिग्रहण संबंधी कागज़ात राज्य सरकार के सौंप दिये गये हैं। भूमि अधिग्रहण के लिए राज्य सरकार को पास 9.90 करोड़ रुपये जमा करा दिये गये हैं। भूमि अभी राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जानी है।
3.	कोलायत-फलोदी	163.93	6.00	80.00 (रक्षा मंत्रालय से निधि की व्यवस्था)	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण पूरा हो गया है। मिट्टी संबंधी और पुल संबंधी कार्यों के लिए निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 631.86 हेक्टेयर भूमि में से 617.44 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित कर ली गई है, इस परियोजना की लागत रक्षा मंत्रालय द्वारा वहन की जा रही है।
4.	रामगंजमंडी-भोपाल	425.00	18.58	20.00	सात गांवों के लिए राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण संबंधी कागजात प्रस्तुत कर दिये

क्रम सं॰	परियोजना का नाम	प्राक्कलित लागत	मार्च 2003 तक किया गया अनुमानित खर्च	2003-04 के दौरान आबंटित निधि	स्थिति
					गये हैं, जिनमें से 10.88 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित कर ली गई है। पुलों की भू-तकनीकी जांच, गहरी कटाई और महत्वपूर्ण पुलों के अभिकल्प का कार्य प्रगति पर है।
	परिवर्तन				
5.	आगरा-बांदीकुई	161.03	39.38	40.00	मिट्टी संबंधी, पुल संबंधी और अन्य कार्य प्रगति पर हैं। भरतपुर-बांदीकुई संबंधी कार्य 2003-04 के दौरान पूरा करने का लक्ष्य है।
6.	उदयपुर से उमरा तक विस्तार के लिए सामान आशोधन सहित अजमेर-उदयपुर-चित्तौड़गढ़	455.18	65.82	30.00	मिट्टी संबंधी, पुल संबंधी और अन्य कार्य प्रगति पर है।
7.	भिलडी-समदड़ी	244.74	1.87	30.00	विस्तृत अनुमान स्वीकृत कर दिये गये हैं। लगभग 120 किलोमीटर के लिए गिट्टी आपूर्ति और सिविल कार्यों के लिए निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
8.	लूनी-बाड़मेर-मुनाबाव	283.94	88.26	60.06 (धन की व्यवस्था रक्षा मंत्रालय द्वारा की जा रही है)	संपूर्ण खंड को चरणों में खोले जाने की योजना है. लूनी से समदड़ी तक का कार्य पूरा हो गया है और इस खंड को 14.12.2002 से चालू कर दिया गया है। समदड़ी-जसई खंड पर रेलपथ जोड़ने का कार्य पूरा हो गया है। सिगनल संबंधी कार्य प्रगति पर है। जसई-मुनाबाव खंड पर मिट्टी संबंधी, छोटे पुल संबंधी और गिट्टी एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर है, यह खंड 2003-04 के दौरान पूरा कर लिये जाने की योजना है।

क्रम सं॰	परियोजना का नाम	प्रत्याशित लागत	मार्च 2003 तक किया गया अनुमानित खर्च	2003-04 के दौरान आवंटित निधि	स्थिति
					2003-2004 के दौरान पूरा कर लिये जाने की योजना है।
9.	पिपाडरोड-बिलाड़ा	45.66	5.56	5.00	कार्य शुरू करने के लिए प्रारंभिक व्यवस्थाएं कर ली है।
10.	सादुलपुर से हिसार तक सामान आशोधन सहित रिवाड़ी-सादुलपुर	282.76	0.1	7.32	अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण पूरा हो गया है। मिट्टी संबंधी और पुल संबंधी कार्यों के लिए निविदाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
11.	श्रीगंगा नगर-सरुपसर	106.09	0.09	4.83	कार्य शुरू करने के लिए प्रारंभिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

पूरी कर ली गई परियोजनाएं ऊपर नहीं दर्शाई गई हैं।

(ii) राजस्थान में पिछले 3 वर्षों (2000-01 से 2002-03) के दौरान नई लाइन और आमान-परिवर्तन के लिए किए गए सर्वेक्षण और चालू परियोजनाओं में जहां पर भारी थ्रो-फारवर्ड और संसाधनों की तंगी के कारण कार्य नहीं किए गए, का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए में)

क्रमांक	परियोजना का नाम	कि॰मी॰	अनुमानित लागत
1.	नोखा-सीकर बरास्ता बेदासर और सुजानगढ़ नई लाइन	180	431
2.	मेड़ता सिटी से ब्यावर नई लाइन	86	170
3.	जालोर-फालना नई लाइन	72	160
4.	कोलायत-पोखरण-बाड़मेर नई लाइन	300	469
5.	चुरु से तारानगर नई लाइन	48	76
6.	बाड़न-शिवपुरी नई लाइन	150	309
7.	दुर्गापुर-रतलाम बरास्ता-बांसवाड़ा नई लाइन	176	921
8.	उज्जैन-रामगंजमंडी बरास्ता आगार, सुसनेर, झालावाड़ नई लाइन	190	273
9.	मालवाड़-मावली-बड़ीसदरी आमान परिवर्तन	183	550
10.	रेवाड़ी-रींगस-फुलेरा-अजेमर आमान परिवर्तन	294	353

(ग) इस मंत्रालय में ऐसा कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Rail projects in Rajasthan

†*84. DR. PRABHA THAKUR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the details of on-going new rail projects and surveys conducted in Rajasthan alongwith the progress made for the completion of these projects so far;

(b) the project-wise details of funds allocated and expenditure incurred on these projects;

(c) whether State Government have requested the Central Government for special package to complete these projects; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) and (b) Details of on-going new rail projects in Rajasthan alongwith allocation of funds, expenditure incurred and progress made are as under:—

(Rs. in crore)

Sl. No.	Name of Project	Anticipated cost	Anticipated expenditure incurred upto March, 2003	Funds allocated 2003-04	Status
New Lines					
1.	Dausa-Gangapur City	208.83	15.3	10.00	Final location survey has been completed. Land acquisition papers for entire section submitted to State Govt. Rs. 5.70 crore deposited with State Govt. for land acquisition. Works will be taken up once the land becomes available.

†Original notice of the question was received in Hindi.

Sl. No.	Name of Project	Anti-cipated cost	Anticipated expenditure incurred upto March, 2003	Funds allocated 2003-04	Status
2.	Ajmer-Pushkar	67.00	10.00	5.00	Final location survey has been completed and land acquisition papers submitted to State Govt. Rs. 9.90 crore deposited with State Govt. for land acquisition. Land is yet to be handed over by the State Government.
3.	Kolayat-Phalodi	163.93	6.00	80.00 (funds from Ministry of Defence)	Final location survey has been completed. Tenders for earth work and bridges are under finalisation. 617.44 hectare out of 631.86 hectare of land taken over. This project is funded by Ministry of Defence.
4.	Ramaganjmandi-Bhopal	425.00	18.58	20.00	Land acquisition papers has been submitted to State Govt. for 7 villages out of which 10.88 hectares of land acquired. Work of geo-technical investigation of bridges, deep cutting and designing of major bridges is under progress.
Gauge Conversion					
5.	Agra-Bandi Kui	161.03	39.38	40.00	Earthwork, bridge works and other works are in progress. Bhartpur-Bandikui is targeted for completion during 2003-04.
6.	Ajmer-Udaipur-Chittaurgarh including material modification for extension from Udaipur to Umra	455.18	65.82	30.00	Earthwork, bridge works and other works are in progress.
7.	Bhildi-Samdari	244.74	1.87	30.00	The detailed estimate has been sanctioned Tenders for ballast

S. No.	Name of Project	Anti-cipated cost	Anticipated expenditure incurred upto March, 2003	Funds allocated 2003-04	Status
					supply and civil works for about 120 km.s are under finalisation.
8.	Luni-Barmer-Munabao	283.94	88.26	60.00 (Funds from Ministry of Defence)	The entire section has been planned to be opened in phases. The work from Luni to Samdari has been completed and section commissioned on 14.12.2002. On Samdari-Jasai section, track linking has been completed. Signaling works are in progress. In Jasai-Munabao section, earthwork, minor bridges and ballast collection is in progress. This section is planned for completion during 2003-04.
9.	Pipar Road-Bilara	45.66	5.56	5.00	Preliminary arrangements have been taken up to take up the work.
10.	Rewari-Sadulpur including Material modification from Sadulpur-Hissar	282.76	0.1	7.32	Final location survey has been completed. Tenders for earthwork and bridge work processed.
11.	Srlganganagar-	106.09	0.09	4.83	Preliminary arrangements are Sarupsar being made to take up the work.

The projects completed have not been indicated above.

(ii) The details of surveys conducted for new line and gauge conversion in Rajasthan during the last three years (2000-01 to 2002-03) and where works have not been taken up due to heavy throw-forward of ongoing projects and constraints of resources are as under:—

(Rs. in cr.)

Sl.No.	Name of Projects	Km.	Anticipated Cost
1.	Nokha-Sikar *via* Bedasar and Sujangarh new line	180	431
2.	Merta City to Beawar new line	86	170
3.	Jalore-Falna new line	72	160
4.	Kolayat-Pokaran-Barmer new line	300	469
5.	Churu to Taranagar new line	48	76
6.	Baran-shivpuri new line	150	309
7.	Dungarpur-Ratlam via Banswara new line	176	921
8.	Ujjain-Ramganjmandi *via* Agar, Sunser, Jhalawar new line	190	273
9.	Marwar-Mavli-Bari Sadri gauge conversion	183	550
10.	Rewari-Ringus-Phulera-Ajmer gauge conversion	294	353

(c) No such request has been received in the Ministry.

(d) Does not arise.

डा॰ प्रभा ठाकुर: माननीय सभापति जी, माननीय मंत्री जी ने सभा पटल पर जो विवरण रखा है, उसे अगर देखा जाए तो इसमें कुल 21 परियोजनाएं जो राजस्थान के लिए स्वीकृत की गईं, उनका विवरण दिया गया है। जिन 11 रेल परियोजनाओं के बारे में कहा गया है "क" और "ख" के अंतर्गत, जो चालू परियोजनाएं हैं, उनमें केवल मात्र दो परियोजनाएं हैं-एक तो उदयपुर से उमरा तक विस्तार की और एक लूनी-बाड़मेर-मुनाबाव की-जिनका लक्ष्य निर्धारित किया गया है और कहा गया है कि 2003-04 तक पूरी की जाएंगी। बाकी अन्य जो 9 महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं - दौसा-गंगापुर सिटी, अजमेर-पुष्कर, कोलायत-फलौदी, रामगंज मंदिर-भोपाल, उदयपुर-उमरा, भिलडी-समदड़ी, पिपाडरोड-बिलाड़ा, सादुलपुर से हिसार और श्रीगंगानगर-सरूपसर-इन तमाम परियोजनाओं के बारे में इन्होंने कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा है और यहां न के बराबर काम चल रहा है। मेरा जो अगला प्रश्न "ख" है, उसमें आवंटित निधियों का ब्यौरा...

श्री सभापति: पहले इसका जवाब देने दीजिए, फिर अगला पूछ लीजिएगा।

डा॰ प्रभा ठाकुर: प्रश्न "क" के बारे में इन्होंने कुछ भी निश्चित रूप से नहीं लिखा है, तो क्या

मंत्री महोदय बताएंगे कि इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया है और कब तक इन तमाम परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा।

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, जितनी परियोजनाएं ली गईं हैं सारे देश में, सभी का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सका है। राजस्थान में कुछ परियोजनाओं का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है और तेजी से काम हो रहा है। जिन परियोजनाओं का हमने जिक्र किया है, प्रत्येक परियोजना के स्टेटस का उल्लेख हमने यहां पर किया है और जहां तक धन का सवाल है, पूरे देश के लिए जो भी धन हमारे पास उपलब्ध होता है, उसको एक निश्चित फॉर्मूले के अंतर्गत हमने राज्यों में वितरित किया है। नई लाइनों के निर्माण के लिए या आमान परिवर्तन के लिए हमारे पास जो भी धन है, उसमें राजस्थान का जो हिस्सा पड़ता है, उससे कहीं अधिक राजस्थान में खर्च किया जा रहा है। ज्यादा खर्च किए जाने का एक कारण यह भी है कि डिफेंस मिनिस्ट्री के द्वारा कुछ अतिरिक्त धन दिया गया है जिसमें लूनी-मुनाबाव का और कोलायत-फलौदी नई रेल परियोजना का एक gauge conversion का काम है।

डा॰ प्रभा ठाकुर: सर, मेरा दूसरा सप्लीमेंट्री यह है कि आइडेंटिक योजनाओं का परियोजनावार ब्यौरा क्या है और इन परियोजनाओं पर अब तक कुल कितनी राशि व्यय की जा चुकी है?

श्री नीतीश कुमार: इसका उत्तर तो दिया जा चुका है। यह स्टेटमेंट के साथ दिया है।

डा॰ प्रभा ठाकुर: सर, इससे मैं सहमत नहीं हूं। इसमें दस परियोजनाएं ऐसी हैं जो बहुत महत्वपूर्ण हैं जिनके बारे में आवंटित निधियों का तो ब्यौरा दिया है, लेकिन तमाम ये दस परियोजनाएं ठंडे बस्ते में डाली गई हैं। इसमें लिखा हुआ है कि थ्रो फारवर्ड संसाधनों की तंगी के कारण कार्य नहीं किये गए और केवल उनका ब्यौरा प्रस्तुत कर दिया गया है। इस प्रकार कुल जो 21 परियोजनाएं हैं उसमें से दस परियोजनाएं तो बिल्कुल ठंडे बस्ते में डाल दी गईं हैं और जो बहुत महत्वपूर्ण हैं, नोखा-सीकर और मेडवासिटी से ब्यावर लाइन ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति: ठीक है, वह आप देख लें। ... (**व्यवधान**)...

डा॰ प्रभा ठाकुर: कृपया इसके बारे में आप बताएं कि ये दस परियोजनाएं क्यों आरम्भ नहीं की जा रही हैं? ... (**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इन परियोजनाओं में कोई योजना ठंडे बस्ते में भी है क्या?

श्री नीतीश कुमार: नहीं, कोई योजना ठंडे बस्ते में नहीं है। ... (**व्यवधान**)... कोई योजना ठंडे बस्ते में नहीं है ... (**व्यवधान**)... मेरे ख्याल से कोई गलतफहमी हो गई है। इन्होंने सर्वे के संबंध में जो बातें कहीं हैं तो कुछ परियोजनाओं का सर्वे हुआ है। लेकिन उसकी स्वीकृति होकर उस पर काम प्रारम्भ नहीं किया जा सका है, उसका उल्लेख हमने किया है। ऐसा नहीं है कि उन परियोजनाओं की स्वीकृति मिल गई है और उसके बाद उन पर कोई काम आगे नहीं बढ़ाया गया

है। चार नई परियोजनाओं का, करीब सात गेज कन्वर्जन का, काम चल रहा है। उसका विस्तृत उल्लेख है।

डा॰ प्रभा ठाकुर: सर, ये दस परियोजनाएं पिछले तीन वर्षों से स्वीकृत हैं और इनमें से एक पर भी काम नहीं चल रहा है। ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: वे भी राजस्थान के हैं, आप बोलिए।

SHRI AIMADUDDIN AHMAD KHAN (DURRU): If I remember correctly, during the time of Shri Jaffer Sharief, when he was the Minister of Railways, a survey was conducted to link Bhiwadi with Rewari. Bhiwadi being one of the biggest industrial estates of the State of Rajasthan, I would like to know the status of that Survey Report and what further action has been taken. In case there is no Survey Report with you just now, do you contemplate getting a Survey Report made for Bhiwadi?

श्री नीतीश कुमार: भिवाड़ी टू रेवाड़ी का जो सर्वे हुआ है और उसकी क्या स्थिति है इसके बारे में हम माननीय सदस्य को अलग से जानकारी दे देंगे। सर्वे की जो स्थिति है, उसका पिछले तीन वर्ष का उल्लेख हमने प्रश्न के उत्तर में किया है।

श्री संतोष बागड़ोदिया: महोदय, जो अजमेर, उदयपुर, चितौड़गढ़ में आपने तीस लाख रुपया एलोकेट किया, 65 लाख खर्च हुआ तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इसी प्रकार जब आपको 80 लाख रुपया कोलायत फलौदी एलोटी में मिल गया है तो नेक्स्ट इयर में उतना ही 80 अपनी तरफ से और लगाकर ये स्कीम आप कोलायत फलौदी आप कम्पलीट कर देंगे? आपका पांच बरस का प्रोग्राम होगा कि हर साल कितना करेंगे?

श्री नीतीश कुमार: माननीय सदस्य करोड़ को लाख बोल रहे हैं। सबसे पहले लाख को करोड़ तो बना लें। ... (व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: रेलवे में अरबों रुपया है। ... (व्यवधान)...

श्री सभापति: ये लाख को करोड़ बनाने वाले हैं और बोलने में करोड़ को लाख बोल रहे हैं। ... (व्यवधान)...

श्री नीतीश कुमार: करोड़ को इन्होंने लाख समझ लिया। ... (व्यवधान)...

श्रीमती जमना देवी बारुपाल: सर ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बीच में मत बोलिए। कोई रिकार्ड नहीं हो रहा है। आप जो बोल रही हैं यह लिखा नहीं जाएगा। आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... जवाब तो दे दिया।

श्री नीतीश कुमार: इस कोलायत फलौदी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और रक्षा मंत्रालय से भी इसके लिए धन आवंटित हुआ है।

Review of working of Bharat Shiksha Kosh

*85. SHRI R.P. GOENKA:
SHRI ABU ASIM AZMI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have set up a Bharat Shiksha Kosh to make it a sole authority to receive and disburse funds donated by alumnus to their alma mater in India.

(b) whether Government have reviewed the working of the Bharat Shiksha Kosh;

(c) if so, the result thereof;

(d) whether it is also a fact that due to such interception by Government in the flow of funds to IITs and IIMs, the wishes of the donors are not honoured and the donors are becoming hesitant to further donate; and

(e) if so, the steps taken to allay the fears of the donors, especially the N.R.I's and also to clarify the role of Government in utilising these contributions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. VALLABHBHAI RAMJIBHAI KATHIRIA): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (e) The Bharat Shiksha Kosh has been constituted as a registered Society registered under the Societies Registration Act, 1860 to mobilize extra budgetary resources for educational development. The Kosh was